

राज्यपाल ने फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया- 3-3-2017

चण्डीगढ़, 3 मार्च। हरियाणा के राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने स्थानीय राजकीय संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी 'ए कलाइडस्कोप आॅफ जरनिज' का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में हरियाणा के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की प्रधान सचिव डाॅ० सुमिता मिश्रा द्वारा अपनी देश-विदेश की यात्राओं के दौरान खींचे गए फोटो प्रदर्शित किए गए हैं।

राज्यपाल ने प्रदर्शनी में दिखाए गए फोटो को उत्सुकता से देखा और समाज के प्रति इस रचनात्मक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे रचनात्मक कार्य दूसरों को भी रचनात्मक दृष्टिकोण रखने के लिए प्रेरित करते हैं। ये हमारी संवेदनाओं को जगाते हैं जिससे व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर समाज के कमजोर वर्ग के प्रति अधिक दयालु और जबाबदेह बनता है।

इस फोटो प्रदर्शनी के लिए डाॅ० सुमिता मिश्रा को बधाई देते हुए प्रो० सोलंकी ने कहा कि उन्होंने अपने फोटोज के माध्यम से इस सुन्दर संसार को नए परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि उनकी फोटोग्राफी बताती है कि कल्पना को विभिन्न सृजनात्मक माध्यमों के द्वारा सशक्त ढंग से अभिव्यक्त किया जा सकता है और यह बोली व लिखी जाने वाली भाषा की ही मोहताज नहीं है।

राज्यपाल ने कहा कि किसी नौकरशाह द्वारा समाज के लिए किया गया कोई भी रचनात्मक काम दोगुणी प्रशंसा का पात्र है क्योंकि नौकरशाह हर समय अपनी ड्यूटी में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि डा० सुमिता मिश्रा एक कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी होने के साथ ही एक संवेदनशील कवयित्री हैं और इस फोटो प्रदर्शनी के साथ ही वे एक सजग कलाकार भी बन गई हैं।

इस अवसर पर फोटो प्रदर्शनी का विवरण देते हुए डा० सुमिता मिश्रा ने कहा कि फोटोग्राफी अपने किसी सुन्दर क्षण को पुनः जीने का माध्यम है। इससे हम अपने अनुभवों की क्षणभंगुरता और निरन्तर परिवर्तनशील समय को भी पराजित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि फोटो केवल यह रिकार्डभर नहीं हैं कि हम किस समय कहां थे। ये हमारी उन यादों के खजाने को खोल देने वाली चाबी हैं जिन्हें हम मस्तिष्क के द्वारा पुनः जीवित नहीं कर सकते।

डा० मिश्रा ने कहा कि फोटोग्राफी अपने इर्द-गिर्द के संसार को देखने के दृष्टिकोण को भी बताती है। उन्होंने कहा कि यात्राओं के उनके शौक ने उन्हें अनगिनत नए दृश्यों और रंगों को कैमरे में कैद करने का अवसर प्रदान किया। इस दौरान उन्हें ऐसे असंख्य बहुमूल्य चित्र प्राप्त हुए कि अब इस प्रदर्शनी के लिए उनमें से चयन करना बड़ा चुनौतीपूर्ण काम हो गया। उन्होंने कहा कि तुंगनाथ और केदारनाथ की

पर्वतश्रृंखलों, अलास्का की हिमानियों के दृश्य, अफ्रीका के घने जंगलों से लेकर स्कैंडिनेविया के गहरे सागरों तक के दृश्य यहां उपस्थित हैं।

उन्होंने कहा कि यात्राएं बाहर के संसार की यात्रा के साथ ही अपने भीतर के संसार की सैर भी हैं। वास्तविक यात्रा महज नए भूदृश्यों की खोज नहीं है बल्कि इसकी सार्थकता नये दृष्टिकोण विकसित करने में है।

Chandigarh, March 3- Haryana Governor Prof. Kaptan Singh Solanki inaugurated a three days photo exhibition titled 'A Kaleidoscope of Journeys' at Govt. Museum & Art Gallery here today. The exhibition has photos captured by Dr. Sumita Misra, Principal Secretary, Archaeology and Museums, Haryana during her travels within and outside India.

The Governor took a round of the exhibition and appreciated this creative contribution towards our society. He said that such creative work motivates others to have a creative vision. This inculcates sensitivity in the individual which enables one to be more compassionate & responsive in the work place especially towards the less empowered sections of society, he added.

Congratulating Dr. Sumita Misra for this accomplishment Prof. Solanki said that she has presented this beautiful world in a new perspective through her photos. Her photography demonstrates that the imagination can be eloquently expressed in non-grammatical ways that are not tied to the formality of spoken or written language, he said.

Prof. Solanki further said that any creative contribution towards our society through the pen or eye of a bureaucrat is doubly commendable as bureaucrats have always been busy in their duty. Dr. Sumita Misra is a bureaucrat, a poet and with this accomplishment now she has also been an artist, he added.

Through the photo exhibition, Dr. Sumita Misra, IAS, has shared the memories of her travels. She has been keen photographer for the last 10-15 years. These photographs cover various places. She has visited over the years and seeks to capture moments that reflect a sense of timelessness and evoke feelings of spirituality through the experience of nature. The 50 photographs in the exhibition were shortlisted after getting through thousands of photographs. The photos range from the peaks of Tungnath and Kedarnath, to the glacial landscapes of Alaska; from the teeming wilderness of Africa to the serene seaside of Scandinavia.

The common factor in the images is her love for nature. The glorious colours of our beautiful world are richly brought out by her photographic eye.

The exhibition is on from 3rd March to 5th March at the Fort Art Museum, Sector-10, Chandigarh from 11:00 AM to 6:00 PM.









